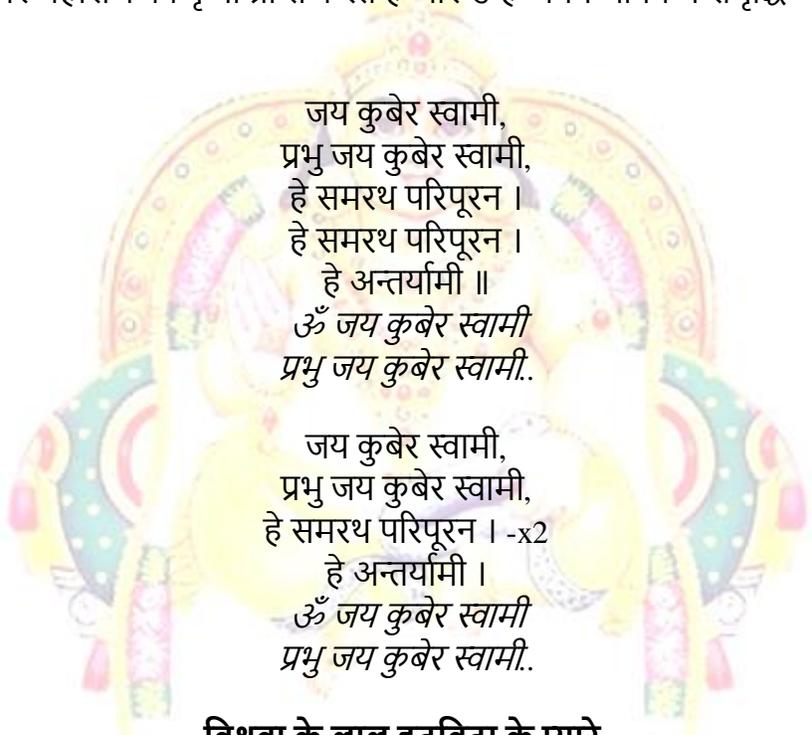


**Shree Kuber Aarti** हिंदू धर्म में विशेष महत्व रखती है। कुबेर धन के देवता माने जाते हैं और उन्हें धन, समृद्धि, और सौभाग्य के स्वामी के रूप में पूजा जाता है। वे लोकाधिपति और यक्षराज के सर्वोच्च रक्षक माने जाते हैं।

कुबेर की आरती के पाठ से भक्त को धन, समृद्धि, और वैभव की प्राप्ति होती है। भक्त इस आरती के माध्यम से कुबेर महाराज की प्राप्ति हेतु प्रार्थना करते हैं और उन्हें धन, ऐश्वर्य, और समृद्धि की अनुग्रह मिलती है।

## ॥ श्री कुबेर जी की आरती ॥ Shree Kuber Aarti ॥

श्री कुबेर की आरती उन्हें समर्पित है, जिन्हें धन, समृद्धि, और सौभाग्य के देवता माना जाता है। भक्त इस आरती के द्वारा कुबेर महाराज की कृपा प्राप्त करते हैं और उन्हें अपने जीवन में समृद्धि और सौभाग्य की प्राप्ति होती है।



जय कुबेर स्वामी,  
प्रभु जय कुबेर स्वामी,  
हे समरथ परिपूरन ।  
हे समरथ परिपूरन ।  
हे अन्तर्यामी ॥  
ॐ जय कुबेर स्वामी  
प्रभु जय कुबेर स्वामी.

जय कुबेर स्वामी,  
प्रभु जय कुबेर स्वामी,  
हे समरथ परिपूरन । -x2  
हे अन्तर्यामी ।  
ॐ जय कुबेर स्वामी  
प्रभु जय कुबेर स्वामी.

विश्रवा के लाल इदविदा के प्यारे,  
माँ इदविदा के प्यारे,  
कावेरी के नाथ हो । -x2  
शिवजी के दुलारे ।  
ॐ जय कुबेर स्वामी  
प्रभु जय कुबेर स्वामी.

मनिग्रवी मीनाक्षी देवी,  
नलकुबेर के तात,  
प्रभु नलकुबेर के तात  
देवलोक में जागृत । -x2

आप ही हो साक्षात् ।  
ॐ जय कुबेर स्वामी  
प्रभु जय कुबेर स्वामी.

रेवा नर्मदा तट  
शोभा अतिभारी  
प्रभु शोभा अतिभारी  
करनाली में विराजत । -x2  
भोले भंडारी ।  
ॐ जय कुबेर स्वामी  
प्रभु जय कुबेर स्वामी.

वंध्या पूत्र रतन और  
निर्धन धन पाये  
सब निर्धन धन पाये  
मनवांछित फल देते । -x2  
जो मन से ध्याये ।  
ॐ जय कुबेर स्वामी  
प्रभु जय कुबेर स्वामी.

सकल जगत में तुम ही  
सब के सुखदाता  
प्रभु सब के सुखदाता  
दास जयंत कर वन्दे । -x2  
जाये बलिहारी ।  
ॐ जय कुबेर स्वामी  
प्रभु जय कुबेर स्वामी.

जय कुबेर स्वामी,  
प्रभु जय कुबेर स्वामी,  
हे समरथ परिपूरन ।  
हे समरथ परिपूरन ।  
हे अन्तर्यामी ॥  
ॐ जय कुबेर स्वामी  
प्रभु जय कुबेर स्वामी.